PRINCE SCHOOL

Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class VI to XII (Science,Arts & Commerce)

मॉडल प्रश्न पत्र Modal Paper Examination 2025 - 26

विषय : हिन्दी अनिवार्य (Hindi Compulsory)

समय Time : 3:15 Hrs **कक्षा Class : XII (बारहवीं)** **M.M. 80**

परीक्षार्थी के लिए सामान्य निर्देशः–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आंतरिक खंड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न क्रमांक खंड–स तथा खंड–द में 13 से 20 में आंतरिक विकल्प हैं।

खण्ड–अ

प्रश्न.1 निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए। **(12×1=12)**

(i) समेकित माध्यम किसे कहते हैं ?
(अ) रेडियो (ब) इंटरनेट (स) टेलीविजन (द) अखबार

(ii) खबर का सबसे अहम हिस्सा क्या होता है ?
(अ) इंट्रो (ब) बॉडी (स) समापन (द) भाषा

(iii) मौखिक भाषा की विशेषता है–
(अ) स्वाभाविक होती है। (ब) परिवर्तनशील होती है। (स) वाक्य छोटे–छोटे होते हैं। (द) उपर्युक्त सभी

(iv) जिस भाषा में राज्य का तथा सरकारी कार्यालयों का काम–काज होता है, वह कहलाती है ?
(अ) राष्ट्रभाषा (ब) राजभाषा (स) मातृभाषा (द) वैयक्तिक भाषा

(v) भक्तिन का चूड़ाकर्म संस्कार किस दिन होता था ?
(अ) सोमवार को (ब) बुधवार को (स) बृहस्पतिवार को (द) रविवार को

(vi) "हाँ–सरकार, यह अन्याय है।" यह कथन किसने कहा ?
(अ) राज–पंडितों ने (ब) मैनेजर साहब ने (स) सिपाहियों ने (द) आम जनता ने

(vii) शिरीष के फलों को देखकर लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी को किसकी याद आती है ?
(अ) पुराने साहित्यकारों की (ब) वृद्ध समाज के लोगों की (स) राजनेताओं की (द) उपर्युक्त सभी की

(viii) उमाशंकर जोशी को किस विषय का गहरा ज्ञान था ?
(अ) परंपरा का (ब) शिक्षा का (स) साहित्य का (द) विज्ञान का

(ix) किसकी उड़ान देश, काल और परिस्थिति से बाहर संभव है ?
(अ) चिड़िया की (ब) बच्चे की (स) फूल की (द) कविता की

(x) 'हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार' में छोटे पौधे प्रतीक हैं–
(अ) छोटे–छोटे पादप वर्ग के (ब) पूँजीपति वर्ग
(स) दलित शोषित वर्ग (द) जनवादी क्रांति के

(xi) मुअनजो–दड़ो के बड़े, घरों में निचली (भूतल) मंजिल में नौकर चाकर रहते होंगे। यह किस विद्वान का मानना है ?
(अ) मार्टिमर वीलर (ब) हेरल्ड हरग्रीव्ज (स) ग्रेगरी पोसेल (द) जॉन मार्शल

(xii) लेखक, आनंद यादव का पाठशाला में क्या नाम था ?
(अ) गणपा (ब) रतनाप्पा (स) जकाते (द) वसंत पाटील

प्रश्न.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः– **(6×1=6)**

(i) शब्द की जिस शक्ति से किसी शब्द के सबसे साधारण, लोक प्रचलित अर्थ का बोध होता है, उसे .....शब्द शक्ति कहते हैं।

(ii) ''ये ही माँ–बाप रह गए थे, जिनके यहाँ मैं जन्म लेने को था।''
इस वाक्य में .....शब्द शक्ति है।

(iii) ''जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे हैं।''
इस काव्य पंक्ति में .....अलंकार है।

(iv) 'मंगन को देखि पट देत बार–बार है।'

इस काव्य पंक्ति में.....अलंकार है।

(v) SCHEDULE शब्द के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्द .....है।

(vi) 'निविदा' के लिए सही अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द .....है।

प्रश्न.3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए। (6×1=6)

पुस्तकें व्यक्ति की सबसे उत्तम मित्र होती हैं। जब हम कभी अकेलापन अनुभव करते हैं, तो वे तुरंत हमारा मन बहलाने के लिए प्रस्तुत रहती हैं। अन्य मित्र भले ही धोखा दे जाएँ, वे कभी धोखा नहीं देती। वे हमें आनंद–लोक की सैर कराती हैं, उत्तम ज्ञान देती हैं, हमारे दृष्टिकोण को विस्तृत करती है, हमारी निराशा और हताशा को हर लेती है। वे कभी कोई ऐसी माँग नहीं करती, जिसमें धन अथवा समय बर्बाद होता हो। व्यक्ति अपनी रुचि, आवश्यकता तथा विषय के अनुसार उन्हें चुन सकता है। एक बार हमारे पास आ जाने के बाद वे हमें छोड़कर अन्यत्र नहीं जाती। वे कभी शिकायत भी नहीं करती, न ही ताने और उलाहने देती है। वे हमें ऐसे संसार में ले जाती है, जहाँ सारे भाव हैं, रस हैं, आनंद हैं। ये कभी पीड़ा भगाती है, तो कभी पाँव का मरहम बन जाती हैं। कभी हँसाती हैं, तो कभी रुलाती हैं। कभी भावविभोर कर देती हैं, तो कभी चिंतन की एक नई दिशा दिखा जाती है। सचमुच, अद्‌भुत है इनका साथ और संसार।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उचित शीर्षक लिखिए।

(अ) ज्ञान (ब) मन

(स) पुस्तकें (द) धन

(ii) व्यक्ति पुस्तकों का चुनाव कैसे करता है ?

(अ) अपनी रुचि से (ब) आवश्यकतानुसार

(स) विषय के अनुसार (द) उपर्युक्त सभी

(iii) पुस्तकें हमें कैसे संसार में ले जाती हैं ?

(अ) जहाँ सारे भाव हैं (ब) रस हैं

(स) आनंद हैं (द) उपर्युक्त सभी

(iv) हमें उत्तम ज्ञान देकर हमारे दृष्टिकोण को विस्तृत कौन करती है ?

(v) पुस्तकें एक बार हमारे पास आ जाने के बाद कहाँ नहीं जाती हैं ?

(vi) पुस्तकों का साथ और संसार अद्‌भुत क्यों है ?

प्रश्न.4 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए। (6×1=6)

अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड, सकते हो,
अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने–
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है–
उसी विश्वास को फिर आज जन–जन में जगाओ तुम।

पसीना तुम अगर इसमें अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन–हीनों को नया जीवन दिला दोगे।
तुम्हारी देह के श्रम–सीकरों में शक्ति है इतनी
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है,
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक है–

(अ) परिश्रम (ब) नवयुवक

(स) कर्मनिष्ठा (द) नया जीवन

(ii) नवयुवक ठान लेता है तो क्या–क्या कर सकता है ?

(अ) आँधियों को मोड़ सकता है (ब) तारे गगन के तोड़ सकता है

(स) विश्व के इतिहास में अपने सुयश का नया अध्याय जोड़ सकता है

(द) उपर्युक्त सभी

(iii) 'श्रम–सीकरों' शब्द का अर्थ है–

(अ) पसीने की बूँदों (ब) लज्जित होना

(स) भुजाओं में बल (द) हृदय में संवेदना

(iv) दीन–हीनों को नया जीवन कब मिल सकता है ?

(v) नवयुवकों से क्या–क्या करने का आग्रह किया जा रहा है ?

(vi) विश्व के इतिहास में अपना सुयश कौन और कैसे लिख सकते हैं ?

प्रश्न.5 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में लिखिए। (6×1=6)

(i) किस पुष्प को शीतपुष्प भी कहा जाता है ?

(ii) जैनेंद्र कुमार का मनोवैज्ञानिक उपन्यास कब और कौन–सा प्रकाशित हुआ ?

(iii) कुँवर नारायण की चार काव्य रचनाओं के नाम लिखिए।

(iv) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की चार काव्य रचनाओं के नाम लिखिए।

(v) यशोधर बाबू को किन नई बस्तियों में पद की गरिमा के अनुरूप डी–2 टाइप क्वार्टर मिलने की अच्छी खबर कई बार आई है ?

(vi) आज छापे वाला कौनसा कपड़ा सिंध की खास पहचान बन गया है ?

खण्ड–ब

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए। (7×2=14)

प्रश्न.6 रेडियो माध्यम की प्रमुख खामियाँ (कमियाँ) लिखिए।

प्रश्न.7 विशेष लेखन के क्षेत्रों का नामोल्लेख कीजिए।

प्रश्न.8 रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या कितनी होती है ?

प्रश्न.9 भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा ?

प्रश्न.10 कवि ने कविता को रस का अक्षय पात्र क्यों कहा है ?

प्रश्न.11 लेखक आनंद यादव का पाठशाला में विश्वास किस कारण से बढ़ने लगा ?

प्रश्न.12 मुअनजोदड़ो के अजायबघर में कौन–कौनसी वस्तुएँ रखी गई हैं ?

खण्ड–स

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 60 से 80 शब्दों में दीजिए। (4×3=12)

प्रश्न.13 'गगरी फूटी बैल पियासा' इंदर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है ?

अथवा

'हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी–कभी जरूरी हो जाती है।' 'शिरीष के फूल' नामक पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न.14 'बगुलों के पंख' नामक कविता का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'भातृ शोक में हुई राम की दशा को कवि ने प्रभु की नर लीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रखा है।' क्या आप–इससे सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

प्रश्न.15 यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढ़ल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल होते हैं ? ऐसा क्यों ?

अथवा

मराठी अध्यापक न.वा. सौंदलगेकर के अध्यापन की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।

प्रश्न.16 कवि शमशेर बहादुर सिंह का जीवन–परिचय लिखिए।

अथवा

लेखक धर्मवीर भारती का जीवन–परिचय लिखिए।

खण्ड–द

प्रश्न.17 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4)**

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक–

उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं
महज एक धागे के सहारे।

अथवा

जैहउँ अवश्य कवन मुहुँ लाई। नारि हेतु प्रिय भाई गँवाई।।
बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं। नारि हानि बिसेष छति नाहीं।।
अब अपलोकु सोकु सुत तोरा। सहिहि निठुर कठोर उर मोरा।।
निज जननी के एक कुमारा। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा ।।
सौंपेसि मोहि तुम्हहि गहि पानी। सब बिधि सुखद परम हित जानी।।
उतरु काह दैहउँ तेहि जाई। उठि किन मोहि सिखावहु भाई।।
बहु बिधि सोचत सोच बिमोचन । स्रवत सलिल राजिव दल लोचन।।
उमा एक अखंड रघुराई। नर गति भगत कृपाल देखाई।।

प्रश्न.18 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(4)**

मेरे पास वहाँ जाकर रहने के लिए रुपया नहीं है, यह मैंने भक्तिन के प्रस्ताव को अवकाश न देने के लिए कहा था ; पर उसके परिणाम ने मुझे विस्मित कर दिया। भक्तिन ने परम रहस्य का उद्‌घाटन करने की मुद्रा बनाकर और पोपला मुँह मेरे कान के पास लाकर हौले–हौले बताया कि उसके पास पाँच बीसी और पाँच रुपया गड़ा रखा है। उसी से वह सब प्रबंध कर लेगी। फिर लड़ाई तो कुछ अमरौती खाकर आई नहीं है। जब सब ठीक हो जाएगा, तब यहीं लौट आएँगे। भक्तिन की कंजूसी के प्राण पूंजीभूत होते–होते पर्वताकार बन चुके थे ; परंतु इस उदारता के डायनामाइट ने क्षण भर में उन्हें उड़ा दिया। इतने थोडे, रुपये का कोई महत्त्व नहीं; परंतु रुपये के प्रति भक्तिन का अनुराग इतना प्रख्यात हो चुका है कि मेरे लिए उसका परित्याग मेरे महत्त्व की सीमा तक पहुँचा देता है।

अथवा

कालिदास सौंदर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे, दुःख हो कि सुख, वे अपना भाव–रस उस अनासक्त कृषीवल की भाँति खींच लेते थे जो–निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे। कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिंदी कवि सुमित्रानंदन पंत में है। कविवर रवींद्रनाथ में यह अनासक्ति थी। एक जगह उन्होंने लिखा–'राजोउद्‌यान का सिंहद्‌वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुंदर क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया। असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है, यही बताना उसका कर्तव्य है। फूल हो या पेड़, वह अपने–आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली है। वह इशारा है।

प्रश्न.19 शासन सचिवालय, राजस्व विभाग, जयपुर की ओर से मानसरोवर कॉलोनी की कृषि भूमि को शहरी भूमि में परिवर्तित करवाने हेतु निर्धारित प्रारूप में एक अधिसूचना लिखिए। **(5)**

अथवा

अध्यक्ष नगरपरिषद्, सीकर को महापौर नगर निगम, जयपुर की ओर से स्वच्छता अभियान को सफल बनाने हेतु सुझाव एवं उपाय आमंत्रित करते हुए एक अर्द्ध–शासकीय पत्र का प्रारूप लिखिए।

प्रश्न.20 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए। **(5)**

(i) मूल्यवृद्धि एक ज्वंलत समस्या
(ii) बढ़ने वाहन घटता जीवन स्तर
(iii) भारतीय लोकतंत्र और इक्कीसवीं सदी
(iv) ग्लोबल वार्मिंग धरती का बढ़ता तापमान।